हिंदी – कक्षा 7

पाठ 1 : प्रार्थना

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

1. असत्य से ✓

2. अमृत ✓

3. अँधेरा ✓

4. जीवन ✓

(ख) दी गई पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

1. छिन्न-भिन्न कर दो हे प्रभु, तुम तम की प्रस्तर-कारा,
उद्वेलित हो दिव्य ज्योति की निर्मल निर्झर-धारा।

2. आलोकित हो तमसावृत पथ प्रतिपल मंगलमय हो,
प्राप्त करें अमरत्व, मृत्यु का हमें न किंचित भय हो।

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. कवि ईश्वर से वरदान माँग रहा है कि हम असत्य से दूर रहें, सत्य के पथ पर चलें, रोग-द्वेष से मुक्त रहें, वाणी में अमृत हो और हमें मृत्यु का भय न हो।

2. कवि अपने पथ को प्रकाश से भरना चाहता है ताकि अंधकार दूर हो और जीवन मंगलमय हो जाए।

3. मृत्यु का भय न होने से मनुष्य निडर होकर सत्य के मार्ग पर चल सकता है और अमरत्व प्राप्त कर सकता है।

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न

दी गई पंक्तियों का भावार्थ–

वाणी में हो अमृत, अनृत की पड़े न हम पर छाया,

परहित, प्रतिक्षण अर्पित अपना जीवन, अपनी काया।

भावार्थ : कवि ईश्वर से प्रार्थना कर रहा है कि हमारी वाणी में सदैव मीठे और सच्चे शब्द हों, झूठ का हम पर कोई प्रभाव न पड़े। हम हर पल दूसरों की भलाई के लिए अपना जीवन और शरीर समर्पित करें।

प्रत्यास्मरण (गद्यांश के प्रश्न)

1. कवि ईश्वर से प्रार्थना कर रहा है।

2. हमें सत्य के पथ पर चलना चाहिए।

3. कवि रोग-द्वेष से मुक्त रहने की बात कर रहा है।

4. 'अनुगामी' शब्द का अर्थ है – पीछे चलने वाला।

भाषा बोध

(क) अनुप्रास अलंकार युक्त कोई दो पंक्तियाँ–

1. निर्मल निर्झर-धारा (न वर्ण की आवृत्ति)

2. तमसावृत तम की प्रस्तर (त वर्ण की आवृत्ति)

(ख) पर्यायवाची शब्द–

तम : अँधेरा, अंधकार, तिमिर

अमृत : सुधा, पीयूष, अमिय

पथ : मार्ग, राह, रास्ता

(ग) विलोम शब्द–

दूर : पास / नजदीक

जड़ : चेतन

स्वामी : सेवक

असत : सत

प्रकाश : अँधेरा

दुर्बल : सबल / बलवान

पाठ 2 : हम और हमारा देश

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

1. फल ✓

2. जापानी ✓

3. प्रसन्न ✓

4. पुस्तक ✓

5. चित्र ✓

6. बोर्ड ✓

(ख) दिये गए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. स्वामी जी को खाने के लिए फल नहीं मिले।

2. प्लेटफार्म पर एक जापानी युवक ने स्वामी जी की बात सुन ली।

3. युवक ने पैसे लेने से तुरंत इनकार कर दिया।

4. स्वामी जी युवक का जवाब पाकर प्रसन्न हो गए।

5. पुलिस ने चित्र उस छात्र के कमरे से बरामद कर लिए।

6. देश की प्रतिष्ठा का संबंध हमारी हीनता और श्रेष्ठता से होता है।

(ग) दिये गए शब्दों के अर्थ लिखिए–

मुसाफिरखाना : यात्रियों के रुकने का स्थान

कर्म : काम

वर्जित : मना

अपशब्द : गाली

प्रतिष्ठा : सम्मान

(घ) 'हाँ' या 'नहीं' में उत्तर दीजिए–

(ये प्रश्न विद्यार्थियों के स्वयं के व्यवहार पर आधारित हैं; स्व-मूल्यांकन करें।)

1. नहीं

2. नहीं

3. नहीं

4. नहीं

5. नहीं

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. जापानी युवक स्वामी जी के लिए ताज़ा फल लाया था।

2. युवक का जवाब सुनकर स्वामी जी प्रसन्न हो गए।

3. युवक को पुस्तक में से चित्र निकालते हुए एक अन्य युवक ने देखा।

4. जापानी युवक ने अपने देश का सम्मान बढ़ाया।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. युवक सरकारी पुस्तकालय से एक पुस्तक पढ़ने के लिए ले गया था। उसने पुस्तक में से दुर्लभ चित्र निकाल लिए, पर दूसरे युवक ने उसे देख लिया और पुस्तकालय को बता दिया।

2. जापानी युवक ने स्वामी जी के लिए फल इसलिए लाया क्योंकि उसे उनकी परेशानी पर दया आई। उसने फलों का मूल्य इसलिए नहीं लिया क्योंकि वह अतिथि-देव भावना से युक्त था और स्वामी जी को अपने देश की अच्छाई दिखाना चाहता था।

3. हमें कोई भी कदम उठाने से पहले यह सोचना चाहिए कि उससे हमारे देश की गरिमा पर आँच न आए, क्योंकि हमारे अच्छे और बुरे कार्यों का प्रभाव सीधे हमारे देश की प्रतिष्ठा पर पड़ता है।

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न

1. संत स्वामी रामतीर्थ जी जापान की यात्रा पर गए थे। वे रेलगाड़ी से सफर कर रहे थे। उन दिनों उनका भोजन केवल फल था। एक दिन स्टेशन पर भी फल नहीं मिले तो अनायास उनके मुँह से निकल गया– 'जापान में शायद अच्छे फल नहीं मिलते।' एक जापानी युवक ने यह सुना और टोकरी भर ताज़ा फल लाकर उन्हें दिए, पर पैसे लेने से इनकार कर दिया। उसने विनम्रतापूर्वक कहा कि यह बात अपने देश में किसी को न बताएँ कि जापान में अच्छे फल नहीं मिलते।

2. दूसरे देश के एक युवक को जापानी पुस्तकालय से एक छात्र ने पुस्तक दी। उस पुस्तक में दुर्लभ चित्र अंकित थे जिन्हें युवक ने पुस्तक वापस करने से पहले निकाल लिया। एक अन्य युवक ने यह देख लिया और पुस्तकालय को बता दिया। पुलिस ने चित्र उसके कमरे से बरामद कर लिए और उसे जापान से निष्कासित कर दिया। सरकारी पुस्तकालय के बाहर एक बोर्ड लगाया गया–'इस व्यक्ति का और इसके देश के किसी भी व्यक्ति का पुस्तकालय में प्रवेश वर्जित है।'

3. हम अपने देश का सम्मान इन तरीकों से बढ़ा सकते हैं – सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता रखें; अपशब्दों का प्रयोग न करें; समय का पालन करें; दूसरों की संपत्ति का सम्मान करें; राष्ट्रीय संपत्ति की रक्षा करें और देश की संस्कृति का मान बढ़ाने वाले कार्य करें।

प्रत्यास्मरण (गद्यांश के प्रश्न)

1. स्वामी जी जापान की यात्रा पर गए थे।

2. रेल रुकने पर स्वामी जी ने कई जगह फल ढूँढे, पर फल न मिले।

3. फल न मिलने पर स्वामी जी ने कहा–'जापान में शायद अच्छे फल नहीं मिलते।'

4. 'अनायास' शब्द का अर्थ है – अचानक।

भाषा बोध

(क) पर्यायवाची शब्द–

पुस्तक : किताब, ग्रंथ, पोथी

देश : राष्ट्र, वतन, मुल्क

युवक : नवयुवक, तरुण, जवान

घर : गृह, निवास, आवास

(ख) बहुवचन–

रेलगाड़ी : रेलगाड़ियाँ

टोकरी : टोकरियाँ

पुस्तक : पुस्तकें

कमरा : कमरे

घोड़ा : घोड़े

चाबी : चाबियाँ

गुरु : गुरु

नेता : नेता

(ग) शब्दों का वाक्यों में प्रयोग–

प्लेटफार्म : रेलगाड़ी के आने पर हम प्लेटफार्म पर खड़े हो गए।

गौरव : हमें अपने देश पर गौरव होना चाहिए।

अनुमान : मैंने अनुमान लगाया कि परीक्षा कठिन होगी।

चित्र : उसने पुस्तक में सुंदर चित्र बनाए।

पुस्तकालय : विद्यार्थी पुस्तकालय में जाकर पढ़ते हैं।

पाठ 3 : चोर का बलिदान

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

1. तीन ✓

2. रत्न ✓

3. तोता ✓

4. मौज-मस्ती में ✓

5. चोर ✓

6. तीनों मित्र ✓

(ख) दिये गए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. तीनों मित्र बैठकर आपस में विचार-विमर्श करने लगे।

2. चोटी पर चढ़ने के बाद उन्हें एक-एक बहुमूल्य रत्न मिल गया।

3. चलते-चलते चारों युवक उस गाँव में पहुँचे।

4. मुखिया को अपना तोता बहुत प्यारा था।

5. मुखिया ने उन चारों यात्रियों को एक कोठरी में बंद कर दिया।

(ग) 'हाँ' या 'नहीं' में उत्तर दीजिए–

1. हाँ

2. नहीं

3. हाँ

4. हाँ

5. हाँ

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. तीनों मित्र पर्वत पर इसलिए गए क्योंकि वहाँ कीमती रत्न पाए जाते थे और वे बिना घरवालों की सहायता के अपना निर्वाह करना चाहते थे।

2. मंत्री के पुत्र ने रत्न को जंगल से गुज़रने से पहले निगल लेने की सलाह दी ताकि रत्न पेट में सुरक्षित रहें।

3. तोते ने मुखिया को बताया कि यात्रियों के पास रत्न हैं।

4. चोर ने अपना पेट पहले चीरने के लिए कहा।

5. मुखिया अंत में पछताया क्योंकि चोर के पेट में कुछ नहीं निकला और उसने व्यर्थ ही एक निर्दोष की हत्या कर दी थी।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. तीनों मित्र थे – एक राजकुमार, एक मंत्री का पुत्र और एक धनी व्यापारी का लड़का। तीनों पक्के मित्र थे जो साथ-साथ रहते और मौज उड़ाते थे।

2. तीनों मित्रों ने रत्न इसलिए निगले ताकि जंगल में लुटेरे या चोर उनसे रत्न न छीन सकें और वे सुरक्षित घर पहुँच सकें।

3. चोर रात को भोजन के समय तीनों के पीछे छिपकर आया था। उसने उनकी बातें सुन लीं और रत्न निगलते हुए भी देख लिया।

4. चोर ने सोचा कि यदि वह मुखिया से कहे कि पहले उसका पेट चीरे तो मुखिया के पेट से कुछ न मिलने पर वह सोचेगा कि किसी के पास रत्न नहीं हैं और तीनों को छोड़ देगा। इस प्रकार चोर ने अपने प्राण देकर अपने तीनों मित्रों के प्राण बचाए।

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न

1. तीनों मित्रों के पिताओं ने उन्हें कहा कि वे व्यर्थ समय बर्बाद कर रहे हैं और अपने तौर-तरीके सुधारें। राजा ने पुत्र को, मंत्री ने पुत्र को और व्यापारी ने अपने पुत्र को डाँटा। व्यापारी ने तो घर से निकाल देने की धमकी भी दी।

2. तीनों मित्रों ने निश्चय किया कि वे पर्वत पर जाकर रत्न प्राप्त करेंगे और बिना किसी की सहायता के अपना जीवन-यापन करेंगे। वे इसलिए गए क्योंकि उनके पास पैसे नहीं थे और घरवालों पर निर्भर नहीं रहना चाहते थे।

3. मुखिया ने चोर को इसलिए मार डाला क्योंकि तोते ने बार-बार कहा था कि यात्रियों के पास रत्न हैं और तलाशी में न मिलने पर उसे विश्वास था कि उन्होंने रत्न निगल लिए हैं। उसने पेट चीरने का निर्णय लिया। परंतु चोर के पेट में कुछ न मिलने पर उसे अपनी गलती का एहसास हुआ।

प्रत्यास्मरण (गद्यांश के प्रश्न)

1. तीनों मित्रों ने रत्न निगले।
2. एक चोर तीनों मित्रों का पीछा कर रहा था।
3. चोर ने योजना बनाई कि वह तीनों मित्रों की हत्या करके रत्न हथिया लेगा।

भाषा बोध

(क) कर्तृवाच्य के छः उदाहरण–

1. मुखिया ने चारों व्यक्तियों की तलाशी ली।
2. राजकुमार ने कहा, 'हमें कुछ करना चाहिए।'
3. चोर ने रत्न हथियाने की योजना बनाई।
4. तोते ने मुखिया को सब बता दिया।
5. मित्रों ने पर्वत से रत्न लाए।
6. मुखिया ने चोर का पेट चीर दिया।

(ख) विराम-चिह्नों का प्रयोग–

1. राजकुमार बोला, "हमें कुछ करना चाहिए।"
2. हम क्या कर सकते हैं? हमारे पास पैसे तो हैं नहीं।
3. श्रीमान! आगे जंगल बहुत घना है।
4. "यात्रियों के पास रत्न हैं; यात्रियों के पास रत्न हैं।"
5. "देखो, मेरा तोता कभी झूठ नहीं बोलता।"

पाठ 4 : ग्रामश्री

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

1. हरियाली ✓
2. लाल-लाल ✓
3. छोटे आँवलों से ✓
4. रोमांचित ✓

(ख) दी गई पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

1. रंग-रंग के फूलों में रिलमिल हँस रहीं सखियाँ मटर खड़ी।
   मखमली पेटियों सी लटकीं छीमियाँ, छिपाए बीज लड़ी।

2. मखमली टमाटर हुए लाल, मिर्चों की बड़ी हरी थैली।
बालू के साँपों से अंकित, गंगा की सतरंगी रेती।
मखमली पेटियों सी लटकीं छीमियाँ, छिपाए बीज लड़ी।
गंगा की सतरंगी रेती।

(ग) सही मिलान कीजिए–

1. वृंत – (i) घास → (v) अलसी

2. आँवली – (iv) छोटा आँवला

3. तीसी – (v) अलसी

4. फलक – (iii) आकाश

5. सरपत – (i) घास

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. प्रस्तुत कविता में बसंत ऋतु का वर्णन किया गया है।

2. आम के वृक्षों की डाली रजत-स्वर्ण मंजरियों से लद गई हैं।

3. तरबूजों की खेती गंगा की सतरंगी रेती (किनारे) पर हुई है।

4. आसमान का रंग निर्मल नील (नीला) है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. खेतों में दूर तलक मखमल की कोमल हरियाली फैली है। रवि की किरणें उससे लिपटकर चाँदी की सी उजली जाली बनाती हैं।

2. बसंत ऋतु में तितलियाँ रंग-रंग के फूलों पर उड़ती-फिरती हैं, वे वृंतों से वृंतों पर उड़ती रहती हैं।

3. कवि ने गाँव की अनेक सुंदर छवियों का वर्णन किया है – फैली हरियाली, पकी फसलें, सरसों के पीले फूल, रंग-बिरंगी तितलियाँ, फल-सब्जियों से लदे खेत, गंगा की रेती पर तरबूजों की खेती और बगुलों की कतार।

प्रत्यास्मरण (पद्यांश के प्रश्न)

1. कविता में बसंत ऋतु का वर्णन किया गया है।

2. आम की डाली रजत-स्वर्ण मंजरियों से लद गई है।

3. पद्यांश में आई पाँच सब्जियाँ : कटहल, जामुन (फल भी), आड़ू, नींबू, दाड़िम, आलू, गोभी, बैंगन, मूली।

4. 'दाड़िम' शब्द का अर्थ है – अनार।

भाषा बोध

(क) तत्सम शब्दों के तद्भव शब्द–

कंकण : कंगन

काक : कौआ

बिंदु : बूँद

नव : नया

सूत्र : सूत

शाक : साग

अंध : अंधा

श्याम : साँवला

(ख) तुकांत शब्द (उदाहरण)–

खड़ी : लड़ी / बड़ी

मूली : धूली / भूली

डाली : जाली / थाली

तलक : झलक / पलक

जाली : थाली / गाली

सोई : होई / खोई

पाठ 5 : वीर बालक

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

1. कल्याणी ✓

2. बारह वर्ष का ✓

3. दूध ✓

4. दोस्त ✓

(ख) दिये गए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. सुजान का घर खास रास्ते से हटकर है।

2. तैमूर बलकरन को सलाम करता है।

3. लड़ने वाले तलवार छीनते नहीं, वार करते हैं।

4. दूध तो मैंने हाज़िर नहीं किया।

(ग) किसने, किससे कहा–

1. किसने : कल्याणी किससे : बलकरन से

2. किसने : मुसलमान ग्रामीण किससे : कल्याणी से

3. किसने : तैमूर किससे : बलकरन से

4. किसने : बलकरन किससे : तैमूर से

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. कल्याणी को चौधरी दादा ने तलघर में छिपाया था।

2. बलकरन घर के भीतर माँ को पुकारते हुए आया था।

3. तैमूर रौबीला चेहरा, मोटे-मोटे हाथ, ऊँची नाक और हाथ में तलवार लिए दिखता था।

4. अंत में कल्याणी बलकरन की अँगुली के खून से उसका तिलक करती है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. बलकरन दूध लेने सुजान के घर गया, क्योंकि घर पर दूध नहीं था और कल्याणी को वर्षगाँठ पर खीर बनानी थी।

2. चौधरी दादा ने कल्याणी को तलघर में छिपाया क्योंकि तैमूर के सैनिक आ रहे थे और उनसे सुरक्षित रखना था।

3. तैमूर सन् 1398 में भारत पर आक्रमण करने वाला मंगोल आक्रमणकारी था। वह भारत में दौलत लूटने के इरादे से आया था।

4. बलकरन को आश्चर्य हुआ क्योंकि उसने ऐसे क्रूर और शक्तिशाली आक्रमणकारी की कल्पना नहीं की थी।

5. तैमूर ने बलकरन को अपने से भी अधिक बहादुर इसलिए माना क्योंकि बलकरन ने डरे बिना तैमूर से दो-दो हाथ लड़ने की चुनौती दी और अपने चाकू की धार से तैमूर को चौंका दिया।

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न

1. बलकरन कल्याणी का पुत्र था जो बारह वर्ष की उम्र में तैमूर जैसे शक्तिशाली आक्रमणकारी से भी नहीं डरा। वह सुबह-सुबह चाकू तेज कर रहा था। उसने अपनी माँ की वर्षगाँठ के लिए दूध लाने की जिम्मेदारी ली। जब तैमूर के सिपाही घर में घुसे तो उसने अकेले उनका सामना किया। तैमूर की तलवार उठाकर उससे लड़ने की हिम्मत दिखाई और अपने चाकू की तेज धार से तैमूर को चकित कर दिया।

2. तैमूर बलकरन के इन व्यवहारों से प्रभावित हुआ – उसने तैमूर की तलवार छीनकर उससे लड़ने की चुनौती दी; वह डरा नहीं और निडरता से जवाब देता रहा; उसने अपनी माँ की रक्षा के लिए जान की बाज़ी लगाई; दूध छिनने पर भी वह झुका नहीं।

3. बलकरन ने माँग की कि तैमूर उसके गाँव से चला जाए। तैमूर ने यह माँग मान ली और अपने सिपाहियों को हुक्म दिया कि वे इस गाँव को छोड़कर दूसरे गाँव चले जाएँ।

प्रत्यास्मरण (गद्यांश के प्रश्न)

1. उपर्युक्त कथन तैमूर कह रहा है और जफरअली से कह रहा है।

2. सिपाही आराम से खाना ढूँढ रहे थे और दौलत लूट रहे थे।

3. आक्रमणकारी सोना-चाँदी और दौलत लूट रहे थे।

4. 'अंजाम' का समानार्थी है – परिणाम / नतीजा।

भाषा बोध

(क) वाक्यों में संबंधबोधक शब्द रेखांकित–

1. स्कूल के अंदर एक बाग भी है। (के अंदर)

2. गाय पेड़ के नीचे खड़ी है। (के नीचे)

3. मेरे घर के सामने गीता का घर है। (के सामने)

4. भोजन के साथ दही भी खाइए। (के साथ)

(ख) पर्यायवाची शब्द–

सलाम : नमस्ते, प्रणाम, अभिवादन

वर्षगाँठ : जन्मदिन, सालगिरह, जयंती

दूध : दुग्ध, पय, क्षीर

सोना : स्वर्ण, कनक, हेम

चाँदी : रजत, रूपा, चंद्रधातु

(ग) शब्दों का वाक्यों में प्रयोग–

वर्षगाँठ : आज मेरी वर्षगाँठ है, इसलिए माँ ने खीर बनाई।

मिठाई : उत्सव पर हमने सबको मिठाई बाँटी।

आशीष : बड़ों का आशीष पाकर मन प्रसन्न हो जाता है।

झोंपड़ी : जंगल के बीच एक छोटी-सी झोंपड़ी थी।

पाठ 6 : कंप्यूटर क्रांति

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

1. विज्ञान ✓

2. दस ✓

3. पंच ✓ (पंचकार्ड पर आधारित)

4. सन् 1964 में ✓

5. चिकित्सक ✓

(ख) दिये गए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. कंप्यूटर को मानव को विज्ञान की सर्वोत्तम देन कहा जा सकता है।

2. कंप्यूटर के मॉनीटर, की-बोर्ड एवं माउस प्रमुख बाह्य अंग होते हैं।

3. कार्टून फ़िल्मों का निर्माण एनिमेशन पद्धति से कंप्यूटर द्वारा किया जाता है।

4. कंप्यूटर वास्तव में आधुनिक युग का क्रांतिदूत है।

(ग) सही मिलान कीजिए–

1. अल्पावधि – (ii) थोड़ा समय

2. विशालकाय – (iv) बड़े आकार का

3. अकादमिक – (v) शैक्षिक

4. निदान – (i) कारण जानना

5. परिष्कृत – (iii) सुधरा हुआ

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. कंप्यूटर के प्रमुख बाह्य अंग हैं – मॉनीटर, की-बोर्ड, माउस, प्रिंटर।

2. गणना-यंत्र के रूप में कंप्यूटर का निर्माण वैज्ञानिक डॉ० हरमन हारलेक ने किया था।

3. कंप्यूटर की अब तक कुल पाँच पीढ़ियाँ आ चुकी हैं।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. सन् 1930 में अविष्कृत कंप्यूटर का नाम ENIAC था। इसकी विशेषता थी कि यह बहुत विशालकाय था और इसे चलाने में बहुत विद्युत की आवश्यकता होती थी।

2. प्रथम पीढ़ी के कंप्यूटर का निर्माण सन् 1946 में अमेरिकी वैज्ञानिकों जे० पी० एकर्ट एवं जे० डब्ल्यू० मौचली ने किया था।

3. शिक्षा के क्षेत्र में कंप्यूटर विज्ञान की जटिल समस्याओं को सरल बनाता है। चिकित्सा के क्षेत्र में चिकित्सक कंप्यूटर से रोगों का निदान करते हैं और जटिल शल्यक्रियाओं का अभ्यास कंप्यूटर पर किया जाता है।

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न

1. कंप्यूटर ने आधुनिक युग में क्रांति लाई है। यह हमारे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अनिवार्य बन गया है। इसने मानव की कार्यक्षमता को कई गुना बढ़ाया है। घर, विद्यालय, बैंक, दफ्तर, चिकित्सालय, रेलवे स्टेशन, हवाई अड्डा, युद्ध का मैदान – हर जगह कंप्यूटर अपनी भूमिका निभाता है। इसने मानव जीवन को सरल, सुविधाजनक और तीव्र बना दिया है।

2. कंप्यूटर को मानव का सच्चा सहायक इसलिए कहा जाता है क्योंकि इसमें मानवीय त्रुटियों की संभावना नगण्य होती है। यह अपेक्षाकृत कई गुना अधिक गति से कार्य करता है। यह घर-परिवार से लेकर रक्षा तक हर क्षेत्र में सहायता करता है।

3. चौथी पीढ़ी के कंप्यूटर सन् 1964 में विकसित हुए। इस पीढ़ी में कंप्यूटर का आकार बहुत छोटा हो गया और इसे 'माइक्रो कंप्यूटर' कहा गया। इसे जेब में भी रखा जा सकता है। इसकी गति बहुत तीव्र होती है।

प्रत्यास्मरण (गद्यांश के प्रश्न)

1. कंप्यूटर द्वारा पूरे पारिवारिक बजट का निर्माण एवं हिसाब रखा जा सकता है।

2. विद्यार्थियों के लिए कंप्यूटर उपयोगी है क्योंकि वे इसमें अपना गृह कार्य एवं महत्वपूर्ण विषय-वस्तु सुरक्षित रख सकते हैं।

3. मनोरंजन के क्षेत्र में कंप्यूटर से वीडियो गेम खेले जा सकते हैं, फ़िल्म देखी जा सकती है और पसंद के गाने सुने जा सकते हैं।

4. 'घर' शब्द के समानार्थी – गृह, आवास, निवास।

भाषा बोध

(क) विसर्ग संधि–

निः + छल = निश्छल

अतः + एव = अतएव

निः + रोग = निरोग

निः + रस = नीरस

पुनः + जन्म = पुनर्जन्म

पयः + द = पयोद

वयः + वृद्ध = वयोवृद्ध

अधः + गति = अधोगति

(ख) 'ई' प्रत्यय जोड़कर नए शब्द–

आसान – आसानी

तकनीक – तकनीकी

ज्ञान – ज्ञानी

गुण – गुणी

संबंध – संबंधी

उपलब्ध – उपलब्धि

उपयोग – उपयोगी

व्यावसायिक – व्यावसायिकी

(ग) शब्दों का वाक्यों में प्रयोग–

कंप्यूटर : आज कंप्यूटर के बिना कोई भी कार्यालय नहीं चलता।

कार्टून : बच्चे कार्टून फ़िल्में देखना बहुत पसंद करते हैं।

मॉनीटर : कंप्यूटर का मॉनीटर खराब हो गया है।

पत्र : मैंने अपने मित्र को एक लंबा पत्र लिखा।

पाठ 7 : सच्चा तीर्थयात्री

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

1. एलिशा ✓

2. मधुमक्खियाँ पालकर ✓

3. गाँव ✓

4. तीन ✓

5. छत्तीस ✓

6. तीन सप्ताह ✓

(ख) दिये गए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. दोनों मित्रों ने साथ-साथ यरूशलम की तीर्थयात्रा करने की ठानी थी।

2. धीरे-धीरे एलिशा की सेवा से तीनों लोग ठीक हो रहे थे।

3. एलिशा को देखकर सब घरवाले बहुत खुश हुए।

4. एक तीर्थयात्री ने ही हमारे प्राणों की रक्षा की थी।

किसने, किससे कहा–

1. किसने : एलिशा किससे : एफिम से

2. किसने : बच्चे ने किससे : बूढ़े से

3. किसने : एफिम ने किससे : एलिशा से

4. किसने : स्त्री ने किससे : एफिम से

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. एफिम और एलिशा रूस के एक गाँव में रहते थे।

2. यात्रा के लिए एफिम ने बहुत सारा धन लिया जबकि एलिशा ने केवल आवश्यकतानुसार धन लिया।

3. झोंपड़ी के अंदर तीन लोग थे – एक स्त्री, एक भूखा बालक और एक बूढ़ा व्यक्ति।

4. एलिशा ने गिरजाघर में एक वृद्ध पुरुष की झलक देखी जो बिल्कुल एलिशा जैसी दिखती थी।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. एलिशा स्वभाव से उदार, दयालु और खुश रहने वाला था जबकि एफिम धनवान, महत्वाकांक्षी था जो यात्रा पर ध्यान केंद्रित रखता था। एलिशा जरूरतमंदों की मदद करना पसंद करता था।

2. एफिम झोंपड़ी के बाहर आ गया था क्योंकि उसे यरूशलम पहुँचने की जल्दी थी और वह उन लोगों की मदद में समय नष्ट करना ठीक नहीं समझता था।

3. बूढ़े ने एलिशा से कहा, 'बाबा, हमें रोटी दो ना। हम काफी समय से भूखे हैं।' बच्चे ने भी रोने की आवाज़ से एलिशा का मन पिघला दिया।

4. एलिशा ने स्त्री को अपने बेटे से कहते सुना, 'बेटा! यह मनुष्य नहीं देवदूत हैं।' इस वाक्य को सुनकर एलिशा ने वहाँ से जाने का निश्चय किया।

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न

1. एफिम और एलिशा बचपन के घनिष्ठ मित्र थे। दोनों ने यरूशलम की तीर्थयात्रा साथ करने की प्रतिज्ञा की थी। एफिम धनवान था जबकि एलिशा मधुमक्खियाँ पालकर परिवार का पालन-पोषण करता था। दोनों ने यात्रा का दिन निश्चित किया और चल पड़े।

2. एलिशा ने झोंपड़ी में स्त्री, बूढ़े और बालक को मरणावस्था में पाया। उसने उन्हें रोटी खिलाई, पानी पिलाया, घर की सफ़ाई की, जरूरी चीज़ें मोल लाकर रखीं, गाय और बैल का प्रबंध किया और अगली फसल तक अनाज खरीदकर रखा।

3. एफिम ने गिरजाघर में देखा कि एलिशा पादरी की भाँति हाथ फैलाए खड़ा है लेकिन जब वह उसके पास जाता तो एलिशा दिखाई नहीं देता था। एफिम को यह देखकर महसूस हुआ कि उसकी यात्रा सफल नहीं हुई क्योंकि उसने मन से प्रार्थना नहीं की थी।

4. एफिम को स्त्री ने बताया कि एक तीर्थयात्री ने उनके घर में आकर उनकी सेवा की, भोजन का प्रबंध किया और बिना कुछ बताए चला गया। उस तीर्थयात्री की सेवा से उनके प्राणों की रक्षा हुई। एफिम समझ गया कि वह तीर्थयात्री एलिशा ही था।

प्रत्यास्मरण (गद्यांश के प्रश्न)

1. घर के लोगों के सो जाने पर एलिशा चुपचाप वहाँ से चल पड़ा।

2. एलिशा यरूशलम नहीं गया क्योंकि उसका सारा धन उन लोगों की सेवा में समाप्त हो गया था।

3. एफिम प्रार्थना के लिए गिरजाघर गया।

4. 'यथाशीघ्र' शब्द का अर्थ है – जल्दी।

भाषा बोध

(क) संख्यावाचक विशेषण रेखांकित–

1. कस्तूरी का भाई बारहवीं कक्षा में पढ़ता है। (बारहवीं)

2. प्रकाश ने एक दर्जन केले खरीदे। (एक दर्जन)

3. नौकरानी ने सौ रुपये लिए। (सौ)

4. चुनाव में कई नेता खड़े हैं। (कई)

5. कक्षा में आज सभी छात्र आए हैं। (सभी)

(ख) वर्ण-विच्छेद–

घनिष्ठ : घ् + अ + न् + इ + ष् + ठ् + अ

दयालु : द् + अ + य् + आ + ल् + उ

छत्तीस : छ् + अ + त् + त् + ई + स् + अ

देवदूत : द् + ए + व् + अ + द् + ऊ + त् + अ

आत्मा : आ + त् + म् + आ

स्वागत : स् + व् + आ + ग् + अ + त् + अ

(ग) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द–

जिसके समान दूसरा न हो : अद्वितीय

जो बिल्कुल मुफ्त हो : नि:शुल्क

प्रतिदिन होने वाला : दैनिक

सदा आगे रहने वाला : अग्रगामी

भविष्य में घटित होने वाला : भावी

जल में रहने वाला : जलचर

(घ) शब्दों का वाक्यों में प्रयोग–

पर्याप्त : उसके पास यात्रा के लिए पर्याप्त धन था।

तीर्थयात्रा : माता-पिता हर वर्ष तीर्थयात्रा पर जाते हैं।

अनुमति : बिना अनुमति के अंदर आना मना है।

गिरजाघर : रविवार को लोग गिरजाघर में प्रार्थना करते हैं।

वातावरण : पेड़-पौधों से वातावरण शुद्ध रहता है।

प्रविष्ट : अतिथि कक्ष में प्रविष्ट हुए।

पाठ 8 : मेहनत का फल

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

1. लुटगयाराम ✓

2. 61 वर्ष ✓

3. छह सौ ✓

4. कारचोरी लाल ने ✓

(ख) दिये गए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. लुटगयाराम घर से बाहर आया और सीधे चचा सामंत के घर पहुँचा।

2. चचा सामंत ने फ़ौरन उठकर अपनी पिस्तौल निकाली।

3. कारचोरी लाल ने भी कोई कच्ची गोलियाँ नहीं खेली थीं।

4. स्वराज कपूर को देखकर जग्गा बहुत खुश हुआ।

5. स्वराज कपूर के सहायक ने एक रसीद पर सामंत के हस्ताक्षर करा लिए।

(ग) सही मिलान कीजिए–

1. तीखी – (ii) तेज़

2. निरीक्षण – (iv) जाँच-पड़ताल

3. यक़ीन – (i) विश्वास

4. अवकाश – (v) छुट्टी

5. स्पीड – (iii) गति

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. सेठ लुटगयाराम परेशान था क्योंकि कल रात उसकी मोटरकार चोरी हो गई थी।

2. सेठ की चोरी हुई कार उसके लिए इसलिए क़ीमती थी क्योंकि वह कार लालपुर के महाराजा ने उसके परदादा को उपहार में दी थी।

3. स्वराज कपूर की फ़िल्म 'तूफान मेल दे डिब्बे' का नाम लिया जा सकता है।

4. सेठ जी ने कार इसलिए नहीं ली क्योंकि कार का टायर टूट गया था, शीशे टूट गए थे, मडगार्ड उखड़ गया था और कार बिल्कुल बेकार हो गई थी।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. चचा सामंत को जासूसी का शौक था। इस शौक में उनकी सहायता उनका नौकर जग्गा उर्फ जगन्नाथ करता था जो उनके लिए जासूसी करता और सारी खबरें लाकर देता था।

2. सेठ लुटगयाराम चचा सामंत के यहाँ इसलिए गया क्योंकि उसकी मोटरकार चोरी हो गई थी और उसे विश्वास था कि कारचोरीलाल ने ही कार चुराई है। वह चाहता था कि चचा सामंत अपनी जासूसी से कार वापस दिलाएँ।

3. स्वराज कपूर एक फ़िल्म डायरेक्टर था। उसने चचा सामंत से बात की कि उसकी टैक्सी ने पीली कार का जो पीछा किया वह दृश्य उसकी फ़िल्म में डालना था। उसने इस दृश्य की फ़िल्म बनाकर चचा सामंत को पैसे दिए।

4. डायरेक्टर को फ़िल्म 'शैतान और भगवान' में कार-पीछा का दृश्य चाहिए था। उसने इसकी कीमत के रूप में नोटों के बंडल और फ़िल्म के टिकट देने का वादा किया।

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न

1. चचा सामंत 61 वर्ष के अवकाश प्राप्त व्यक्ति थे जिन्हें जासूसी का शौक था। उनका नौकर जग्गा उनका सहायक था। वे बहुत चतुर और साहसी थे। उन्होंने पिस्तौल से कार का पीछा किया और कार के शीशे व टायर तोड़े। वे दौड़बाज सिंह के साथ टैक्सी में बैठकर कारचोरीलाल का पीछा करने निकले।

2. चचा सामंत ने दौड़बाज सिंह को टैक्सी चलवाकर कारचोरीलाल का पीछा किया। जब कार पास आई तो उन्होंने पिस्तौल से गोलियाँ चलाईं जिससे कार का शीशा टूटा, मडगार्ड उखड़ा, टायर फटा और कार रुक गई। अंततः कारचोरीलाल मौके का फ़ायदा उठाकर भाग निकला पर कार सेठ को मिल गई।

3. दौड़बाज सिंह (टैक्सी सरदार) ने किराया माँगा। इस पर चचा सामंत ने कहा कि उनके पास केवल पचास रुपये हैं। सरदार ने पाँच सौ रुपये पचास पैसे और बख्शीश माँगी। इस पर दोनों में झगड़ा हो गया। अंत में स्वराज कपूर ने चचा सामंत को पैसे दिलाए और सरदार को भी छह सौ रुपये की बख्शीश मिली।

प्रत्यास्मरण (गद्यांश के प्रश्न)

1. दरवाज़ा लुटगयाराम ने खटखटाया।

2. चचा सामंत जासूसी करने का काम कर रहे थे।

3. सेठ जी ने चचा को बताया कि कल रात उनकी मोटरकार चोरी हो गई है।

4. सेठ जी थुलथुल शरीर वाले मोटे आदमी थे।

भाषा बोध

(क) 'पर' शब्द का प्रयोग करके दो वाक्य–

1. मेरी किताब मेज़ पर रखी है। (स्थान अर्थ में)

2. मैं जाना चाहता था, पर समय नहीं मिला। (लेकिन अर्थ में)

(ख) संधि-विच्छेद–

विद्यालय : विद्या + आलय

शरणार्थी : शरण + अर्थी

मनोकामना : मनः + कामना

महेंद्र : महा + इंद्र

(ग) उपसर्ग और प्रत्यय–

त्रिलोकी : उपसर्ग : त्रि प्रत्यय : ई

अकथनीय : उपसर्ग : अ प्रत्यय : नीय

अन्यायी : उपसर्ग : अन् प्रत्यय : ई

अनदेखा : उपसर्ग : अन प्रत्यय : आ

अलौकिक : उपसर्ग : अ प्रत्यय : इक

(घ) मुहावरों के अर्थ और वाक्य प्रयोग–

लाल-पीला होना : क्रोधित होना – परीक्षा में फेल होते ही पिताजी लाल-पीले हो गए।

फूले न समाना : अत्यधिक खुश होना – पुरस्कार पाकर वह फूली न समाई।

हक्का-बक्का रह जाना : आश्चर्यचकित हो जाना – यह खबर सुनकर सब हक्के-बक्के रह गए।

बाँछें खिलना : बहुत प्रसन्न होना – पुत्र का पत्र पाकर माँ की बाँछें खिल गईं।

पाठ 9 : दुःख का अधिकार

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

1. बिक्री के लिए ✓

2. भगवाना ✓

3. साँप के डसने के कारण ✓

4. तेईस बरस ✓

5. डेढ़ बीघा ✓

(ख) दिये गए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. मनुष्यों की पोशाकें उन्हें विभिन्न श्रेणियों में बाँट देती हैं।

2. बुढ़िया ख़रबूज़े बेचने का साहस करके आई थी।

3. लड़के की बुढ़िया माँ बावली होकर ओझा को बुला लाई।

4. स्त्री का रोना देखकर मन में एक व्यथा-सी उठी।

5. बहू का बदन बुखार से गर्म तवे की तरह तप रहा था।

(ग) सही (✓) और गलत (✗) कथन–

1. ✓ – पोशाक ही समाज में मनुष्य का अधिकार और दर्जा निश्चित करती है।

2. ✗ – बाज़ार में सभी लोग बुढ़िया की प्रशंसा नहीं कर रहे थे।

3. ✓ – साँप घर में एक बिल में विश्राम कर रहा था।

4. ✓ – भगवाना की उम्र तेईस वर्ष थी।

5. ✗ – ओझा के इलाज से भगवाना ठीक नहीं हुआ था।

6. ✓ – संभ्रांत महिला पुत्र की मृत्यु के बाद अढ़ाई मास तक पलंग से उठ न सकी थी।

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. बुढ़िया ख़रबूज़े बेच रही थी।

2. भगवाना बुढ़िया का तेईस वर्षीय जवान बेटा था।

3. भगवाना डेढ़ बीघा ज़मीन में कछियारी करके परिवार का पालन-पोषण करता था।

4. बुढ़िया के दुःख की तुलना संभ्रांत महिला के दुःख से की गई है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. पोशाक समाज में मनुष्य का अधिकार और उसका दर्जा निश्चित करती है। अमीर की पोशाक देखकर सम्मान मिलता है जबकि गरीब की पोशाक को देखकर लोग उसे हेय दृष्टि से देखते हैं।

2. बाज़ार में बैठी बुढ़िया के ख़रबूज़े इसलिए नहीं बिक रहे थे क्योंकि उसके बेटे की मृत्यु को एक दिन भी नहीं बीता था और सूतक के कारण लोग उससे ख़रबूज़े खरीदना अपशकुन मानते थे।

3. पास-पड़ोस की दुकानों पर पूछने से लेखक को बुढ़िया के बारे में पता चला। लोगों ने बताया कि उसका जवान बेटा भगवाना मर गया है।

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न

1. बुढ़िया को देखकर लोग घृणा से बातें कर रहे थे। एक आदमी ने कहा कि जवान बेटे को मरे पूरा दिन नहीं बीता और यह दुकान लगाकर बैठ गई है। दूसरे साहब ने कहा कि 'जैसी नियत होती है, अल्लाह भी वैसी ही बरकत देता है।' लालाजी ने कहा कि सूतक में बाज़ार में आकर ख़रबूज़े बेचना गलत है।

2. बुढ़िया बाज़ार में ख़रबूज़े बेचने इसलिए आई थी क्योंकि घर में जो कुछ था वह भगवाना की क्रिया-कर्म में दान-दक्षिणा में उठ गया। बहू बुखार से तप रही थी और घर में खाने को कुछ नहीं था। इसीलिए बुढ़िया को साहस करके ख़रबूज़े बेचने आना पड़ा।

3. बाज़ार में बैठी बुढ़िया और संभ्रांत महिला में समानता यह थी कि दोनों के जवान बेटों की मृत्यु हुई थी। दोनों के दुःख का कारण एक ही था। परंतु संभ्रांत महिला को अढ़ाई मास तक पलंग से उठने की जरूरत नहीं पड़ी जबकि बुढ़िया को मजबूरन अगले ही दिन ख़रबूज़े बेचने बाज़ार आना पड़ा।

प्रत्यास्मरण (गद्यांश के प्रश्न)

1. मनुष्य और पोशाक में यह संबंध है कि पोशाक ही उसका अधिकार और दर्जा समाज में निश्चित करती है।

2. निचली श्रेणी का दुःख हम इसलिए नहीं समझ पाते क्योंकि उस समय हमारी पोशाक ही बंधन बन जाती है और हमें झुकने से रोकती है।

3. 'अनुभूति' शब्द का अर्थ है – अनुभव, संवेदना।

4. 'पोशाक' के समानार्थी – वस्त्र, परिधान, लिबास। 'दर्जा' के समानार्थी – स्तर, श्रेणी, पद।

भाषा बोध

(क) समास-विग्रह–

आलू-पूरी : आलू और पूरी

फल-फूल : फल और फूल

कॉपी-पेंसिल : कॉपी और पेंसिल

गुरु-शिष्य : गुरु और शिष्य

कप-प्लेट : कप और प्लेट

झूठा-सच्चा : झूठा और सच्चा

नर-नारी : नर और नारी

दंड-पुरस्कार : दंड और पुरस्कार

(ख) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द–

दोपहर का भोजन : मध्याह्न भोजन

भगवान को मानने वाला : आस्तिक

अधिक बोलने वाला : वाचाल

दूर की सोचने वाला : दूरदर्शी

मांस न खाने वाला : शाकाहारी

कम खाने वाला : अल्पाहारी

(ग) काल परिवर्तन–

1. **(भूतकाल)** मनुष्यों की पोशाकों ने उन्हें विभिन्न श्रेणियों में बाँट दिया था।
2. **(भविष्यत् काल)** लड़का परसों मुँह-अँधेरे बेलों में से पके ख़रबूज़े चुनेगा।
3. **(वर्तमान काल)** बुढ़िया ख़रबूज़े बेचने का साहस करके आती है।

पाठ 10 : समय मूल्यवान है

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

1. जन्म ✓
2. अमूल्य ✓
3. मनुष्य ✓

(ख) दिये गए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. हमारे जीवन का एक-एक क्षण बेशक़ीमती है।

2. प्रकृति भी समय से आबद्ध है।

3. हमें अपने अमूल्य क्षण का समुचित लाभ उठाना होगा।

4. धन की तरह समय भी संपत्ति है।

(ग) सही कथन (✓) और गलत कथन (✗)–

1. ✓ – दिन-रात समय की आबद्धता के परिणाम हैं।

2. ✓ – समझदार व्यक्ति अपने समय का एक क्षण भी बेकार नहीं जाने देते।

3. ✗ – सफलता का श्रेष्ठ मार्ग समय का सदुपयोग नहीं है।

4. ✓ – यदि हम समय की क़द्र करेंगे तो समय भी हमारी क़द्र करेगा।

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. समय के अनुसार कार्य करने से संसार से दुःख व दरिद्रता दूर हो सकती है।

2. समय का हर क्षण स्वर्ण के हर कण के समान मूल्यवान होता है।

3. आलसी और चंचल मन वाले व्यक्ति समयाभाव की बातें करते हैं।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. समय के नियम से पशु-पक्षी, पेड़-पौधे, जीव-जंतु सब बँधे हैं। प्रकृति में दिन-रात और ऋतु-चक्र समय की आबद्धता के परिणाम हैं।

2. समय हमारे जीवन में इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि एक बार बीता हुआ समय कभी वापस नहीं आता। समय का सदुपयोग हमें स्वास्थ्य, शिक्षा, अनुभव जैसी उपलब्धियाँ देता है।

3. समय बीत जाने पर केवल हाथ मलना ही हाथ में रह जाता है। जीवन की उपलब्धियाँ समाप्त हो जाती हैं और पछतावे के अलावा कुछ नहीं मिलता।

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न

1. आलसी व्यक्ति हमेशा यह बहाना बनाते हैं कि समय नहीं मिला। वे अपने आलस्य को छिपाने के लिए समयाभाव का बहाना लेते हैं। इसका प्रभाव यह होता है कि उन्हें स्वयं को ही नुक़सान होता है, क्योंकि बीता हुआ समय वापस नहीं आता।

2. हमें अपने अमूल्य क्षण का समुचित लाभ उठाना चाहिए क्योंकि समय भी धन की तरह संपत्ति है। इसके सदुपयोग से हम स्वास्थ्य, शिक्षा, अनुभव जैसी उपलब्धियाँ पा सकते हैं। जो समय बीत जाता है वह दुबारा नहीं आता।

3. डिकिन्स के अनुसार – 'कोई भी ऐसी घड़ी नहीं बना सकता जो मेरे गुज़रे हुए घंटों को फिर से बजा दे।' आशय यह है कि बीता हुआ समय कभी वापस नहीं आता, इसलिए प्रत्येक क्षण का सदुपयोग करना चाहिए।

प्रत्यास्मरण (गद्यांश के प्रश्न)

1. समय की महिमा निराली है।

2. समय चले जाने पर केवल हाथ मलना ही हाथ में रह जाता है।

3. समय का महत्व समझ लेने पर व्यक्ति जीवन की बहुत बड़ी पहेली का हल खोज लेता है।

4. 'निराली' शब्द के पर्यायवाची – अनोखी, अजीब, विलक्षण।

भाषा बोध

(क) निपात शब्दों से वाक्य–

मात्र : उसके पास मात्र दस रुपये थे।

ही : यही सच्चाई है।

तक : वह रात तक नहीं आया।

तो : वह तो कल ही चला गया।

भर : उसने दिन भर काम किया।

(ख) शब्दों का वाक्यों में प्रयोग–

समय : समय पर काम करने वाला ही सफल होता है।

पाठ 11 : साइकिल की सवारी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

1. लड़के ✓

2. पत्नी ✓

3. बीस रुपये ✓

4. लस्सी ✓

5. पैर में ✓

(ख) दिये गए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. लेखक ने अपने फटे-पुराने कपड़े श्रीमती जी के सामने पटक दिए।

2. लेखक ने बाज़ार से मरहम के डिब्बे ख़रीद लिए।

3. लेखक ने ईश्वर को श्रद्धा से हाथ जोड़कर प्रणाम किया।

4. दूसरे दिन लेखक के पैर पर साइकिल गिर गई।

5. लेखक को सामने से एक ताँगा आता दिखाई दिया।

(ग) सही (✓) और गलत (✗) कथन–

1. ✓ – लेखक को हारमोनियम बजाना नहीं आता था।

2. ✗ – साइकिल चलाना आने पर लेखक ने एक अस्पताल खोलने की सोची।

3. ✗ – लेखक को उस्ताद जी से उसके मित्र तिवारी ने मिलवाया था।

4. ✗ – लेखक ने साइकिल अपने भाई से ली थी।

5. ✓ – लेखक ने साइकिल लारेंस बाग़ में चलाने का निश्चय किया।

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. लेखक को साइकिल चलाने की सूझ सन् 1942 में हुई।

2. तिवारी जी ने लेखक से साइकिल प्रशिक्षण विद्यालय खोलने को कहा।

3. उस्ताद जी ने कुछ ही दिनों में साइकिल सीखने की बात कही थी।

4. पहले दिन लेखक का रास्ता एक बिल्ली ने काटा था।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. अपने बेटे को साइकिल चलाता देखकर लेखक को लगा कि वे ज़माने भर में फिसड्डी रह गए हैं। उन्होंने निश्चय किया कि वे भी साइकिल सीखेंगे।

2. लेखक ने अपने फटे-पुराने कपड़े इसलिए ठीक करवाए ताकि साइकिल सीखने के दौरान गिरने पर अच्छे कपड़े खराब न हों।

3. लेखक ने साइकिल प्रशिक्षण विद्यालय इसलिए खोलने का विचार बनाया क्योंकि साइकिल चलाना सीखने के बाद उन्हें लगा कि वे कुछ ही दिनों में मास्टर बन जाएँगे।

4. लेखक ने लारेंस बाग़ का मैदान इसलिए चुना क्योंकि वहाँ की भूमि नरम थी, चोट कम लगती और कोई देखने वाला नहीं होता।

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न

1. साइकिल चलाना सीखने के लिए लेखक ने पुराने कपड़े निकाले, मरहम का डिब्बा खरीदा, मिस्त्री से साइकिल मँगवाई, उस्ताद को बीस रुपये फीस दी और लारेंस बाग़ में अभ्यास करने का निर्णय किया।

2. लेखक उस्ताद जी को पहले फीस इसलिए देने के लिए तैयार हो गया क्योंकि उस्ताद ने गारंटी दी थी कि यदि न सिखाया तो फीस वापस कर देंगे। इससे उसे विश्वास हो गया कि कोई धोखा नहीं है।

3. पहले दिन बिल्ली ने रास्ता काटा, लेखक ने उस्ताद से माफी माँगी और घर लौट आए। पजामा और अचकन दोनों उल्टे पहन लिए थे जिस पर लोग हँस रहे थे।

4. लेखक ने अपनी पत्नी से झूठ बोला कि वे साइकिल चलाना सीखने जा रहे हैं। जब श्रीमती जी ने देखा कि तिवारी जी उनकी साइकिल को लात मार रहे हैं तो पोल खुल गई।

5. किसी के सामने आ जाने पर लेखक की दशा बहुत बुरी हो जाती थी – वे गला फाड़-फाड़कर चिल्लाने लगते, रास्ता छोड़ने को कहते और जब गाड़ी निकल जाती तब उनके मन में जान आती।

प्रत्यास्मरण (गद्यांश के प्रश्न)

1. लेखक ने श्रीमती जी को साइकिल चलाना सीखने का कारण यह बताया कि इससे समय बचता है।

2. श्रीमती जी को यह आशा नहीं थी कि लेखक साइकिल सीख सकेंगे।

3. लेखक के अनुसार मूर्ख लोग नए कपड़ों का नुक़सान करते हैं जबकि बुद्धिमान पुराने कपड़ों से काम चलाते हैं।

4. 'बुद्धिमान' शब्द के समानार्थी – चतुर, विवेकी, होशियार।

भाषा बोध

(क) सही कारक-चिह्न–

1. तिवारी जी ने बाहर आकर आवाज़ दी। (ने)

2. यह शुभ समाचार मैंने जाकर श्रीमती जी को सुना दिया। (को)

3. अब रात को आराम की नींद कहाँ? (को)

4. हमने इस काम के लिए कपड़े भी बनवा लिए हैं। (के लिए)

5. उस्ताद ने हमें साइकिल पर चढ़ा दिया। (पर)

(ख) मुहावरों के अर्थ और वाक्य प्रयोग–

फूला न समाना : अत्यधिक प्रसन्न होना – पुरस्कार पाकर वह फूला न समाया।

जान में जान आना : राहत मिलना – खतरा टलते ही जान में जान आई।

मैदान मार लेना : जीत जाना – उसने प्रतियोगिता में मैदान मार लिया।

हाथ-पैर फूलना : डर जाना – शेर को देखकर उसके हाथ-पैर फूल गए।

कानों-कान खबर न होना : बिल्कुल पता न चलना – उसने इतनी चुपचाप काम किया कि किसी को कानों-कान खबर न हुई।

(ग) विशेषण शब्दों से भाववाचक संज्ञा–

मधुर – मधुरता

दूर – दूरी

मीठा – मिठास

ऊँचा – ऊँचाई

स्वस्थ – स्वास्थ्य

अच्छा – अच्छाई

हरा – हरियाली

बूढ़ा – बुढ़ापा

(घ) विशेषण शब्द छाँटकर लिखिए–

1. काले

2. कुछ

3. ठंडी

4. सौ

पाठ 12 : बाललीला

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

1. सुबह को ✓

2. गाय ✓

3. साँवला ✓

4. पुचकारती ✓

(ख) दी गई पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

1. मैया मोरी! मैं नहिं माखन खायो।

2. आगैं आउ, बात सुनि मेरी बलदेविहिं न जनैहाँ।।

3. मैं बालक बहियन को छोटो, छींको केहि बिधि पायो।

4. सूर स्याम मोहिं गोधन की सौं, हाँ माता तू पूत।।

(ग) तुकांत शब्दों का सही मिलान–

1. लैहौं – (iii) ऐहौं

2. खायो – (iv) पायो

3. गात – (i) पूत

4. धूत – (ii) मुसकात

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. श्री कृष्ण माता यशोदा से चंद-खिलौना माँग रहे हैं।

2. श्री कृष्ण मुख पर माखन लगाने का यह तर्क दे रहे हैं कि वे तो बालक हैं और छींके तक पहुँच ही नहीं सकते – 'ग्वाल-बाल सब बैर पड़े हैं, बरबस मुख लपटायो।'

3. श्री कृष्ण के बड़े भाई का नाम बलराम (बलदेव/दाऊ) है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. श्री कृष्ण माता को धमकी देते हैं कि यदि उनकी जिद पूरी न की गई तो वे धरती पर लोट जाएँगे, सुरभि का दूध नहीं पीएँगे, चोटी नहीं गुँहाएँगे और बलराम को सब बात बता देंगे।

2. श्री कृष्ण माखन न खाने के ये तर्क देते हैं – 'मैं बालक हूँ, छींके तक पहुँच नहीं सकता; ग्वाल-बाल सब दुश्मन हो गए हैं, उन्होंने जबरदस्ती मुँह पर माखन लगाया।'

3. बलराम जी श्री कृष्ण को चिढ़ाते हैं – वे माता को बताते हैं कि कृष्ण ने माखन खाया है।

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न – भावार्थ

सुनहु कान्ह बलभद्र चबाई, जनमत ही को धूत।

सूर स्याम मोहिं गोधन की सौं, हाँ माता तू पूत।।

भावार्थ : यशोदा माँ कह रही हैं – हे कान्हा! बलराम चुगलखोर है, वह जन्म से ही चालाक है। सूरदास कहते हैं कि श्री कृष्ण ने गायों की सौगंध खाकर माँ को विश्वास दिला दिया – 'हाँ माँ, तू सच में मेरी माँ है (और मैं सच में तेरा पुत्र हूँ)।'

प्रत्यास्मरण (पद्यांश के प्रश्न)

1. चंद खिलौना माँगने की हठ श्री कृष्ण कर रहे हैं।

2. श्री कृष्ण नंद बाबा के पुत्र बनने के लिए कह रहे हैं।

3. श्री कृष्ण सुरभि (गाय) की गोद में आने के लिए मना कर रहे हैं।

भाषा बोध

(क) रूपक अलंकार के दो उदाहरण–

1. मैया मैं तो चंद खिलौना लैहौं। (चंद्रमा को खिलौना कहा गया है)

2. बड़े-बड़े वीर योद्धा भी नहीं ठहर सकते। (पिंजड़े में शेर की तुलना भीरु से)

(ख) पर्यायवाची शब्द–

मैया : माँ, माता, जननी

भोर : सुबह, प्रभात, उषा

पूत : पुत्र, बेटा, नंदन

(ग) शब्दों का वाक्यों में प्रयोग–

खिलौना : बच्चे को नया खिलौना मिला तो वह खुश हो गया।

माखन : यशोदा माँ माखन मथ रही थीं।

बरबस : उसकी आँखों से बरबस आँसू आ गए।

धरनी : धरनी पर हरी घास उगी हुई थी।

मधुबन : कृष्ण मधुबन में गाय चराने जाते थे।

पाठ 13 : ईदगाह

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

1. तीन ✓

2. तीस ✓

3. सबील पर ✓

4. सिपाही ✓

5. लोहे का ✓

(ख) दिये गए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. हामिद एक चार-पाँच साल का ग़रीब-सूरत दुबला-पतला लड़का है।

2. लाखों सिर एक साथ सजदे में झुक जाते हैं।

3. लोग एक-दूसरे के गले मिल रहे हैं।

4. नूरे ने वकील लिया था।

5. अमीना का मन गद्गद् हो गया।

(ग) किसने, किससे कहा–

1. किसने : अमीना ने किससे : हामिद से

2. किसने : हामिद ने किससे : मोहसिन से

3. किसने : सिम्मी ने किससे : हामिद से

4. किसने : अमीना ने किससे : हामिद से

5. किसने : हामिद ने किससे : मोहसिन से

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. अमीना अपनी कोठरी में बैठी रो रही थी।

2. गाँव ईदगाह से तीन कोस दूर था।

3. गाँव वाले मेले से ग्यारह बजे वापस आए।

4. मोहसिन ने सिपाही और महमूद ने भिश्ती खरीदी।

5. अमीना का मन गद्गद् इसलिए हो गया क्योंकि हामिद ने उसकी उँगलियाँ जलने से बचाने के लिए चिमटा खरीदा था।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. हामिद एक चार-पाँच साल का ग़रीब, दुबला-पतला बच्चा था जिसके पिता हैजे में मर गए थे और माँ भी मर गई थी। वह बूढ़ी दादी अमीना के साथ रहता था।

2. हामिद के साथियों के नाम – मोहसिन, महमूद, नूरे, सिम्मी।

3. नूरे द्वारा खरीदे गए वकील साहब का अंत बड़े अपमानजनक ढंग से हुआ। सिम्मी की छोटी बहन ने उनकी भिश्ती छीन ली, वकील साहब गिर गए और मातम हुआ, अंत में उनकी अस्थियाँ घूरे में डाल दी गईं।

4. हामिद ने चिमटा इसलिए खरीदा क्योंकि उसे दादी अमीना की याद आई – तवे से रोटियाँ उतारते समय उनकी उँगलियाँ जल जाती थीं। तीन पैसों में चिमटा लेकर उसने दादी के प्रति प्रेम और विवेक दिखाया।

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न

1. अमीना घर में इसलिए रो रही थी क्योंकि ईद का दिन था और घर में खाने को कुछ नहीं था। हामिद के पास केवल तीन पैसे थे और अमीना उसे अकेले मेले में जाने देने से डर रही थी।

2. मेले में बच्चों ने खिलौने, मिठाइयाँ, सिपाही, भिश्ती, वकील, हिंडोला, चरखी, घोड़े-ऊँट आदि देखे। उन्होंने शरबत पिया और मिठाइयाँ खाईं।

3. हामिद का पालन-पोषण उसकी दादी अमीना करती थी। हामिद को दादी की उँगलियाँ जलती देख दुःख होता था इसलिए उसने तीन पैसे की बचत से चिमटा खरीदा।

4. हामिद ने चिमटे की विशेषताएँ बताईं – यह बंदूक की तरह कंधे पर रखा जा सकता है, फकीरों का चिमटा बन सकता है, मजीरे की तरह बज सकता है, इससे किसी की भी जान ली जा सकती है। यह शेर जैसा बहादुर है।

प्रत्यास्मरण (गद्यांश के प्रश्न)

1. नमाज़ खत्म होने पर लोग एक-दूसरे के गले मिल रहे थे और मिठाई व खिलौनों की दुकानों पर धावा हो रहा था।

2. मेले में मिठाई, खिलौने, हिंडोला, चरखी, घोड़े-ऊँट की दुकानें थीं।

3. एक पैसे में हिंडोले के पच्चीस चक्कर लगते हैं।

4. 'दल' शब्द का अर्थ है – समूह, झुंड।

भाषा बोध – विलोम शब्द

प्रसन्न : उदास

दिन : रात

विवेक : अविवेक

बच्चा : बूढ़ा

गाँव : शहर

ग़रीब : अमीर

पाठ 14 : सबसे ग़रीब आदमी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

1. अपनी रिआया की ख़ुशहाली पर ✓

2. गली-कूचों में ✓

3. अधेड़ उम्र की महिला ✓

4. ख़लीफ़ा ने ✓

5. दूत स्वयं ✓

(ख) दिये गए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. एक दिन ख़लीफ़ा का दरबार लगा हुआ था।

2. नमाज़ पढ़ने आने वालों का वह स्वागत कर रहा था।

3. अशर्फ़ियों से लदे पाँच ऊँट गवर्नर की झोंपड़ी के दरवाज़े पर पहुँच गए।

4. गवर्नर की बीबी गवर्नर से ज्यादा धैर्यवान और समझदार थी।

5. वे कभी जाते तो कभी आते।

(ग) किसने, किससे कहा–

1. किसने : ख़लीफ़ा ने किससे : अपने खुफिया दूतों से

2. किसने : दूतों ने किससे : ख़लीफ़ा से

3. किसने : ख़लीफ़ा ने किससे : दूतों से

4. किसने : गवर्नर ने किससे : स्वयं से (आसमान की ओर देखकर)

5. किसने : गवर्नर की पत्नी ने किससे : गवर्नर से

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. शहंशाह का नाम हजरत उमर था।

2. रिआया की ख़ुशहाली का हाल ख़लीफ़ा जानना चाहता था।

3. दूसरी बार शहंशाह ने दूतों को मिस्र का सबसे ग़रीब इंसान ढूँढने की आज्ञा दी।

4. मिस्र का गवर्नर अलेक्जेंड्रिया में रहता था।

5. गवर्नर की झोंपड़ी उसकी पत्नी की बनी थी।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. हजरत उमर मिस्र के बड़े रहमदिल और नेक शहंशाह थे जिनकी नज़र हमेशा अपनी रिआया की ख़ुशहाली पर रहती थी। वे प्रजा के हित में सदैव सचेत रहते थे।

2. पहली बार दूतों ने आकर शहंशाह को बताया कि मुल्क में सभी ख़ुशहाल हैं, कोई भूखा, ग़रीब या बेसहारा नहीं है।

3. सबसे ग़रीब इंसान का पता मिलने पर ख़लीफ़ा ने पाँच ऊँटों पर अशर्फ़ियाँ लदवाकर गवर्नर के यहाँ भेजीं।

4. मिस्र का गवर्नर इसलिए दुखी था क्योंकि उसकी पत्नी ने उसे बताया कि घर की ज़रूरतें पूरी करने के लिए उसे घर बेचना पड़ा था और वे झोंपड़ी में रह रहे थे।

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न

1. ख़लीफ़ा हजरत उमर इसलिए खोज में थे क्योंकि पहले दूतों ने कहा था कि मुल्क में कोई ग़रीब नहीं, पर उन्हें विश्वास नहीं हुआ। वे चाहते थे कि सच में सबसे ग़रीब इंसान मिले ताकि उसकी मदद कर सकें।

2. दूतों को मिस्र का सबसे ग़रीब इंसान एक झोंपड़ी में मिला। वहाँ एक अधेड़ उम्र की महिला खड़ी थी और उनकी आँखों से आँसू बह रहे थे।

3. ख़लीफ़ा खबर पाकर ख़ुश हुए और उन्होंने अपने खजांची को आदेश दिया कि पाँच ऊँटों पर अशर्फ़ियाँ लादकर गवर्नर के पास भेजो।

4. गवर्नर की पत्नी की समझदारी इससे पता चलती है कि जब अशर्फ़ियाँ आईं तो उन्होंने घबराहट में छीजने लगी आँसू न बहाकर धैर्य से काम लिया।

प्रत्यास्मरण (गद्यांश के प्रश्न)

न कुछ लेकर आए हैं, न कुछ लेकर जाएँगे।

खुदा के घर से आए हैं, खुदा के घर को जाएँगे।।

1. माँ के साथ बाजार सुहानी जा रही थी।

2. रास्ते में शर्मा जी पड़ोसी मिले।

3. जूते चार दिन में टूट गए थे।

4. 'उदास' शब्द के पर्यायवाची – दुखी, खिन्न, विषण्ण।

5. उपभोक्ता न्यायालय ग्राहकों के हित में कार्य करता है।

पाठ 15 : फिर क्या होगा उसके बाद

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

1. पत्ता ✓

2. धूप-छाँव ✓

(ख) दी गई पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

1. अब माँ का जी ऊब चुका था, बोली... सुख-दुख है पल भर की माया, उसके बाद।

2. यह सुनकर उन्हें उसी क्षण, सहज कुतूहल से फिर पूछा उसके बाद?

(ग) सही मिलान कीजिए–

1. लोचन – (iv) आँखें

2. उज्ज्वल – (vi) उजाला

3. किसलय – (vii) कली

4. कुतूहल – (i) जानने की इच्छा

5. वधू – (iii) नवविवाहिता स्त्री

6. स्मित – (ii) मुस्कान

7. नक्षत्र – (v) तारे

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. प्रस्तुत कविता के कवि का नाम नहीं दिया है – यह एक परिचित बालगीत है।

2. वधू विवाह उत्सव के बाद घर आएगी।

3. कविता में आसूँ माँ के नेत्रों में आते हैं।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. कवि हमें यह बताना चाहता है कि जीवन में एक के बाद एक घटनाएँ घटती रहती हैं – हर उत्सव के बाद दूसरा उत्सव, हर सुख के बाद दुःख, हर दुःख के बाद सुख – यही जीवन का क्रम है।

2. पुत्र के मुख पर पल भर की मुस्कान इस बात से आई कि माँ ने कहा कि नए शिशु (उसके बच्चे) घर आएँगे।

3. माँ ने जब नए शिशु के आने की बात कही तो पुत्र चिंतित हो गया क्योंकि उसे डर था कि नए खिलौने चले न जाएँ।

4. पुत्र की आँखें भर आईं क्योंकि माँ ने सुख-दुख के बारे में कहा – यह सुनकर उसे भावनात्मक अनुभव हुआ।

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न – भावार्थ

कवि को बालक ने सिखलाया, सुख-दुख है पल भर की माया।

है अनंत का तत्व-प्रश्न यह, फिर क्या होगा उसके बाद?

भावार्थ : इन पंक्तियों में कवि कहते हैं कि बालक ने उन्हें यह सिखाया कि सुख और दुःख क्षणभंगुर हैं – दोनों क्षणिक हैं। 'फिर क्या होगा उसके बाद?' – यह प्रश्न अनंत जिज्ञासा का प्रतीक है जो जीवन के हर पड़ाव पर उठती रहती है।

पाठ 16 : पत्र

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

1. जेल में ✓

2. माता जी ✓

3. भगतसिंह ✓

(ख) सही मिलान कीजिए–

1. मुलाक़ात – (ii) मेंट

2. नज़दीक – (iv) पास

3. आरज़ू – (i) इच्छा

4. इज़ाज़त – (iii) आज्ञा

(ग) दिये गए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. जेल में मुलाक़ात की इज़ाज़त नहीं देते।

2. दुनिया में दूसरे लोग भी तो हजारों मुसीबतों में फँसे हुए हैं।

3. क्रांतिकारी दल के आदर्शों और कुर्बानियों ने मुझे बहुत ऊँचा उठा दिया है।

4. आजकल मुझे स्वयं पर बहुत गर्व है।

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. भगतसिंह के भाई का नाम कुलबीर सिंह था।

2. हालात का मुक़ाबला साहस से करना चाहिए।

3. भगतसिंह ने अपना अंतिम पत्र साथियों/कैदी साथियों को लिखा था।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. भगतसिंह लाहौर की सेंट्रल जेल में बंद थे। उन पर क्रांतिकारी कार्यों का आरोप था।

2. भगतसिंह मुलाक़ात न होने पर अपने भाई को यह समझाते हैं कि घबराने से कोई फ़ायदा नहीं, साहस से हालात का मुक़ाबला करो।

3. भगतसिंह इस शर्त पर जीना नहीं चाहते थे कि वे क़ैद होकर या पाबंद होकर जिएँ।

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न

1. भगतसिंह की माँ मुलाक़ात की इज़ाज़त न मिलने पर बहुत घबरा गई थीं। भगतसिंह ने उन्हें पत्र लिखकर सांत्वना देते हुए कहा कि घबराने से कुछ नहीं मिलता। उन्होंने माँ से साहस के साथ परिस्थिति का सामना करने को कहा।

2. भगतसिंह के हृदय में यह इच्छा बाक़ी रही कि यदि स्वतंत्र रहते तो देश के लिए और भी अधिक काम कर सकते थे।

3. भगतसिंह अपने अंतिम पत्र में कहते हैं – मेरा नाम हिंदुस्तानी क्रांति का प्रतीक बन चुका है। जीवित रहने की स्थिति में मैं इससे ऊँचा नहीं हो सकता। वे बेताबी से फाँसी का इंतज़ार कर रहे हैं।

प्रत्यास्मरण (गद्यांश के प्रश्न)

1. पत्र का यह भाग भगतसिंह ने अपने कैदी साथियों को लिखा था।

2. भगतसिंह का नाम हिंदुस्तानी क्रांति का प्रतीक बन चुका है।

3. 'कुर्बानी' शब्द का अर्थ है – बलिदान।

4. 'जीवित' शब्द का विलोम है – मृत।

भाषा बोध – निजवाचक सर्वनाम के पाँच वाक्य

1. मुझे स्वयं पर बहुत गर्व है।

2. वह आप ही यह काम कर लेगा।

3. तुम खुद जाकर देख लो।

4. माँ ने स्वयं खाना बनाया।

5. हम खुद अपनी मदद करेंगे।

पाठ 17 : सरकस

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(सही विकल्प एवं रिक्त स्थान पाठ के प्रश्नों पर आधारित)

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. कवि कौतूहल के वश में आकर सरकस देखने गया था।

2. सरकस में अंत में एक मनुष्य आया था जो सिंह को लेकर आया था।

3. सिंह पर कवि को दया आई क्योंकि वह पिंजड़े में बंद था और अपनी स्वाभाविक स्वतंत्रता से वंचित था।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. कवि ने सरकस में बंदर का खेल, मैना का बोलना, घोड़े की सवारी, पकड़े हुए सिंह की लड़ाई और बहुत से अनोखे व्यायाम देखे।

2. बंदर ने झटपट लैंप जलाया, कुर्सी पर पुस्तक खोली और मैना से बातें की।

3. कवि के मित्र ने शेर के बारे में कहा – 'भाई तू भी है बम भोला।' अर्थात् शेर बहुत भोला और सीधा है।

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न – भावार्थ

यह सिंहीं का जना हुआ है, किंतु स्यार यह बना हुआ है।

यह पिंजड़े में बंद रहा है, नहीं कभी स्वच्छंद रहा है।

भावार्थ : ये पंक्तियाँ सरकस में बंद सिंह की दशा पर दया व्यक्त करती हैं। कवि कहते हैं कि यह सिंह का जन्म लेकर सियार जैसा डरपोक बन गया है। पिंजड़े में रहते-रहते उसकी स्वाभाविक शक्ति समाप्त हो गई है। यह स्वतंत्रता के महत्व का प्रतीक है।

प्रत्यास्मरण (पद्यांश के प्रश्न)

1. बंदर ने झट से लैंप जलाया।

2. बंदर ने कुर्सी पर पुस्तक खोली।

3. 'बंदर' शब्द के समानार्थी – वानर, कपि, मर्कट।

4. पद्यांश में स्त्रीलिंग शब्द – मैना, कुर्सी।

भाषा बोध – रीतिवाचक क्रिया-विशेषण

(दिये गए वाक्यों में 'झटपट', 'चौंक', 'झट' रीतिवाचक क्रिया-विशेषण शब्द हैं।)

पाठ 18 : सुहानी के जूते

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

1. प्रधानाध्यापिका ✓

2. दौड़ प्रतियोगिता ✓

3. चार दिन में ✓

4. शर्मा जी ने ✓

(ख) सही मिलान कीजिए–

1. दौड़ प्रतियोगिता – (iii) जिला स्तर पर पहला स्थान

2. नए जूते – (ii) नए जूते और पाँच सौ रुपये नगद

3. गारंटी – (v) छह महीने

4. जूते टूट गए – (i) चार दिन में

5. जुर्माना – (iv) पाँच सौ रुपये

(ग) दिये गए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. सुहानी ने दौड़ प्रतियोगिता में पूरे जिले में पहला स्थान पाया था।

2. मैडम, रसीद से कुछ नहीं होता।

3. ऐसे मौके पर रसीद बहुत काम आती है।

4. सुहानी माँ के साथ शर्मा जी के घर गई।

5. सुहानी के मुखमंडल पर उमंग और उत्साहपूर्ण प्रसन्नता की लहर दौड़ गई।

(घ) सही (✓) और गलत (✗) कथन–

1. ✓ – सुहानी राज्य स्तर पर दौड़ प्रतियोगिता में भाग लेने वाली थी।

2. ✗ – सुहानी की माँ ने उसे उसकी पसंद के जूते नहीं दिलवाए।

3. ✓ – सुहानी के जूते चार दिन में ही टूट गए।

4. ✓ – दुकानदार ने सुहानी और उसकी माँ के साथ अभद्र व्यवहार किया।

5. ✗ – सुहानी की शिकायत पर उपभोक्ता न्यायालय ने भी कोई ध्यान नहीं दिया।

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. सुहानी फूली नहीं समा रही थी क्योंकि उसने दौड़ प्रतियोगिता में पूरे जिले में पहला स्थान पाया था।

2. सुहानी की माँ की दुकानदार पर गुस्सा इसलिए आया क्योंकि दुकानदार ने जूते वापस करने से मना कर दिया।

3. सुहानी के जूते ख़रीदे गए थे – इनका मूल्य लगभग पाँच सौ रुपये था।

4. उपभोक्ता न्यायालय ने सुहानी, उसकी माँ और दुकानदार को बुलाया था।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. सुहानी राज्य स्तर की दौड़ प्रतियोगिता में भाग लेने वाली थी इसलिए उसे नए जूते चाहिए थे।

2. दुकानदार ने कहा कि 'फैशन के इस दौर में किसी चीज़ की गारंटी नहीं मिलती।' उसने जूते वापस करने से मना कर दिया।

3. न्यायाधीश ने फैसला सुनाया कि दुकानदार को सुहानी को नए जूते देने होंगे और पाँच सौ रुपये हर्जाने के रूप में भी देने होंगे।

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न

1. शर्मा जी ने बताया कि सरकार ने उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए उपभोक्ता न्यायालय बनाए हैं। दुकानदार ग्राहक को खराब सामान दे, बदले नहीं या पैसे वापस न करे तो यह दंडनीय अपराध है।

2. बाज़ार से सामान खरीदते समय हमेशा रसीद लेनी चाहिए, गारंटी कार्ड लेना चाहिए, सामान की जाँच करके लें और खराब सामान के लिए उपभोक्ता न्यायालय में शिकायत करने में न हिचकें।

3. बाज़ार से सामान खरीदते समय ये सावधानियाँ बरतनी चाहिए – (1) रसीद अवश्य लें, (2) सामान की गुणवत्ता जाँचें, (3) गारंटी/वारंटी देखें, (4) एक्सपायरी डेट जाँचें, (5) खराब सामान के लिए तुरंत शिकायत करें।

4. उपभोक्ता न्यायालय ग्राहकों के हितों की रक्षा करता है, दुकानदार-निर्माता द्वारा ठगे जाने पर न्याय दिलाता है। यह ग्राहक को सही सामान पाने का अधिकार दिलाता है।

प्रत्यास्मरण (गद्यांश के प्रश्न)

1. माँ के साथ सुहानी बाजार जा रही थी।

2. रास्ते में शर्मा जी पड़ोसी मिले।

3. जूते चार दिन में टूट गए थे।

4. 'उदास' शब्द के पर्यायवाची – दुखी, खिन्न, विषाद।

5. उपभोक्ता न्यायालय ग्राहकों/उपभोक्ताओं के हित में कार्य करता है।

भाषा बोध – वाक्यों को स्पष्ट कीजिए

1. अरे! आप ही आए। → आप स्वयं आए (किसी और ने नहीं आने दिया होगा, पर आप आ गए)।

2. अरे! मेरी ही किताब चोरी हुई हैं। → किताब चोरी होना दुःखद है और यह मेरी ही थी।

3. अरे! साइकिल से गिरने से साइकिल ही टूटी है। → गिरने पर मैं नहीं, केवल साइकिल टूटी।

4. अरे! आपने नूडल्स ही बनाए हैं। → अपेक्षा थी कि कुछ और बनेगा पर केवल नूडल्स ही बने।